

अपनी दर्शन का आकलन करना:

परमेश्वर ने आपको जो दर्शन दी है उसका आकलन करना आपके सेवकाई नेतृत्व में बहुत महत्वपूर्ण है। लेकिन इसका मतलब स्तंभों के लिए भी है, उस दर्शनका आकलन करना गंभीर रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है ताकि आप उस दर्शनके प्रति सच्चे रह सकें जो परमेश्वर ने आपको दी है।

आपको पता चलेगा कि समय के साथ, दर्शनबदल जाती है या यह लीक हो जाती है या परिस्थितियों का उस पर दबाव पड़ता है। इसलिए हमें हमेशा दर्शनका आकलन करने की आवश्यकता है। हम अक्सर दृष्टि, कार्यक्रमों या दर्शनके उत्पाद के परिणाम का आकलन करेंगे। लेकिन मैं आपको दर्शनका मूल्यांकन करने के बारे में सिखाना चाहता हूँ। दर्शनकी ताकत इसके आकार या आवश्यक रूप से इसके परिणामों में नहीं है, यह स्वयं दर्शनहै। यहाँ बताया गया है कि इसे नीतिवचन अध्याय 29 पद 18 में कैसे दर्ज किया गया है। जब लोग यह नहीं देख पाते हैं कि परमेश्वर क्या कर रहे हैं, तो वे खुद पर गिर जाते हैं।

आप देखते हैं कि कुछ मायनों में दर्शनएक उपकरण है।

यह हमारे नेतृत्व के लिए लोगों को सही दिशा में इंगित करने में एक दिशा-निर्देश की तरह काम करता है जहां परमेश्वर हम सभी को सेवकाई में ले जा रहे हैं और जहां वह हमें व्यक्तिगत रूप से ले जा रहे हैं। इसलिए हमें हमेशा उस दिशा का, उस दर्शनका आकलन करना होगा। और मैं आपके साथ कुछ ऐसे क्षेत्रों को साझा करना चाहता हूँ जो दर्शनका आकलन करने में नियमित रूप से देखने के लिए महत्वपूर्ण हैं, यह जानने के लिए कि आप परमेश्वर आपको जो करने के लिए बुला रहे हैं, उसके प्रति सच्चे हैं। पहला क्षेत्र वह है जिसे मैं दर्शनस्पष्टता कहता हूँ।

क्या दर्शनअभी भी स्पष्ट है? कभी-कभी जब आपको शुरुआत में दर्शनमिलती है, तो इसके चारों ओर स्पष्टता हो सकती है, इसके चारों ओर बहुत उत्साह हो सकता है। और जैसे-जैसे आप उस दर्शनका नेतृत्व करना शुरू करते हैं, आप कार्यक्रमों और सेवकाईका विकास करते हैं और अचानक बहुत अधिक लेबल और पहचान इस पर पैक हो जाते हैं और आप स्वयं दर्शनका ध्यान खो सकते हैं। उदाहरण के लिए, हर कलीसियाके पास परमेश्वर की ओर से एक दर्शनहोती है। जो बात उस दर्शनको सड़क के नीचे के कलीसियासे अलग बनाती है, वह है इसकी विशिष्टता, सड़क के नीचे के कलीसियासे बेहतर या बदतर नहीं, बल्कि इसकी विशिष्टता। लेकिन जैसे-जैसे एक कलीसियाबढ़ता है और यह कई, कई सेवकाईको जोड़ता है, उस दर्शनसे, यह अपना ध्यान खो सकता है। यह ऐसा है जैसे जब आप एक नया टेलीविजन खरीदते हैं, तो यह कितना स्पष्ट है बनाम पुराना टेलीविजन जो आपके लिए थोड़ा अस्पष्ट हो गया है।

और मैं आपको अपनी दर्शनकी स्पष्टता का आकलन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता हूँ। क्या आप अभी भी उस दर्शनके प्रति सच्चे हैं जो दर्शनमें सबसे महत्वपूर्ण है? जब मैं चर्चों के उदाहरण का उपयोग करता हूँ, तो कई कलीसियाएक ही काम करते हैं क्योंकि वे एक ही बाइबल का पालन करते हैं। उनके शिष्य समूह हैं, उनके पास सेवाएं हैं, वे आराधना करते हैं, वे समुदाय की मदद करते हैं।

लेकिन हर कलीसियाकी एक तरह की विशिष्टता होती है। इसका 20% अलग है कि वे इसे कैसे करते हैं। उनके पास एक अनूठा डीएनए है, जिस तरह का परमेश्वर का अंगूठे का निशान है। और वह विशिष्टता वास्तव में वही है जो सामने आती है और उनकी विशिष्ट दर्शनके रूप में सामने आती है।

और जब आप अपनी दर्शनकी स्पष्टता का आकलन करते हैं, तो आप इस तरह के सवाल पूछ रहे होते हैं, "क्या यह अभी भी विश्वास को प्रेरित करता है? क्या यह हमें स्पष्ट रूप से अलग बनाता है? बेहतर या बदतर नहीं, लेकिन विशिष्ट रूप से। क्या यह उस संकट को व्यक्त करता है जिसे हम संबोधित करने की कोशिश कर रहे हैं और हम इस सेवकाई में हल करने की कोशिश कर रहे हैं?"

यह मूल्यांकन वास्तव में, आवश्यक है क्योंकि जब सेवकाई बढ़ता है क्योंकि आपके पास अद्भुत दर्शनऔर अच्छा प्रबंधन होता है, तो बहुत सारे अन्य ब्रांड और पहचान आते हैं और आप उस विशिष्टता को खो सकते हैं। यहाँ परमेश्वर ने हमें शुरू में ही क्या करने के लिए कहा था।

कभी-कभी शुरुआत को फिर से देखना और स्पष्टता न खोना बहुत मददगार होता है। सभी कार्यक्रमों और आने वाले सभी अतिरिक्त तत्वों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। लेकिन अपनी दर्शनकी स्पष्टता का आकलन करें ताकि जो नए लोग आते हैं जो शुरुआत में नहीं थे, वे दर्शनकी विशिष्टता को उतने ही स्पष्ट रूप से पकड़ सकें जितना कि कोई ऐसा व्यक्ति जो शुरू से ही आपके साथ रहा है।

यहाँ एक दूसरा क्षेत्र है जिसका आपको आकलन करने की आवश्यकता है जब आप दर्शनका आकलन कर रहे हैं और वह यह है कि आपको रणनीति का आकलन करने की आवश्यकता है। न केवल दर्शनकी स्पष्टता बल्कि दर्शनकी वास्तविक रणनीतिक रूपरेखा। क्या दर्शनआगे बढ़ रही है?

क्या यह आगे बढ़ रहा है या आप अब केवल विकास प्रबंधन की भूमिका में हैं? विकास प्रबंधन भूमिका का मतलब है कि आपने इसे एक तरह से बनाया है और अब आप बस इसे बड़े बनाम रणनीति प्राप्त करने के लिए देख रहे हैं जो कहता है, "नहीं, हम इस चीज को बढ़ते हुए देखना चाहते हैं जो परमेश्वर के पास इसके लिए नए तरीकों से है।" इसकी तुलना करने का एक तरीका रूपकों के बारे में सोचना है। एक खाका या एक स्कॉल। एक स्कॉल नीचे लुढ़क जाता है, एक खाका तय किया जाता है। जब आपके पास एक स्कॉल नीचे लुढ़कता है, तो आपको केवल उस स्कॉल का बहुत कुछ दिखाई देता है और जब तक आप उस स्कॉल को नहीं पढ़ते हैं, तब तक आप नहीं देखेंगे कि उसमें क्या है। सेवकाई को ऐसा ही होना चाहिए। जब हम परमेश्वर द्वारा दी गई और हमें दिखाई गई चीजों के प्रति वफादार होते हैं, तो वह हमें सेवकाई के नए क्षेत्रों में ले जाएगा।

हालांकि अक्सर हम ब्लूप्रिंट चाहते हैं। हम वह निश्चित खाका चाहते हैं जो हमें सब कुछ दिखा सके ताकि हम इसे नियंत्रित कर सकें। फिर हमारी रणनीतियाँ तय हो जाती हैं और अब रचनात्मक या नवीन नहीं रहती हैं। वास्तव में एक दर्शनमिथक है और दर्शनमिथक यह है कि हमारे पास जितने अधिक कार्यक्रम होंगे, हमें उतनी ही अधिक सफलता मिलेगी। रणनीति दर्शनपर स्पष्ट होने और उस दर्शनको पूरा करने के मार्ग पर स्पष्ट होने के बारे में है। मैं अक्सर अगुवाओं से पूछता हूँ, "दर्शनको पूरा करने के लिए आपको कम से कम क्या करने की आवश्यकता है?" सबसे अधिक आपको ऐसा करने की आवश्यकता नहीं है। हमें यह आकलन करने की आवश्यकता है कि रणनीतिक दर्शनकैसे बदल रही है। उस स्कॉल का खुलासा कब होता है और परमेश्वर हमें कुछ नया करने की ओर ले जाते हैं? ऐसा खाका नहीं जहाँ हम सब कुछ जानते हों। यह सिर्फ विकास का पैमाना नहीं है और हम तीन साल पहले की तुलना में बड़े हो रहे हैं लेकिन कुछ भी नया नहीं हो रहा है।

अपनी दर्शनके रणनीतिक डिजाइन का आकलन करें। पिछले 12 महीनों में आपने कौन सी नई पहल शुरू की है जो परमेश्वर आपके लिए एक नए और अभिनव तरीके से ला रहे हैं? उस दर्शनकी स्पष्टता को लेते हुए लेकिन इसे एक ऐसे समाज में और एक ऐसे समुदाय में लाना जहाँ

क्या यह अधिक से अधिक प्रभावी हो सकता है? अपने आप से पूछिए, "हमने क्या सबक सीखा है? हमने कौन सी नई गलतियाँ कीं जिनसे हमने सीखा? ये सभी दृष्टिकोण की रणनीति का आकलन करने का एक तरीका है, न केवल परिणाम बल्कि रणनीति।

यहाँ आपकी दर्शनका आकलन करने का एक तीसरा तरीका है जो मुझे लगता है कि बहुत महत्वपूर्ण है। हम आपकी दर्शनकी स्पष्टता का आकलन करने के बारे में बात करते हैं। हम आपकी दर्शनकी रणनीति का आकलन करने के बारे में बात करते हैं। आपको अपनी दर्शनमें भागीदारी का आकलन करने की भी आवश्यकता है।

आपको उन लोगों के रुझानों का आकलन करने की आवश्यकता है जो आपकी दर्शनमें आपके साथ शामिल हो रहे हैं। ये वे लोग हैं जिन तक आपका सेवकाई पहुंच रहा है। ये वे लोग हैं जो आपकी सेवकाई के भीतर सेवा कर रहे हैं। मैं आपको इसका एक उदाहरण देता हूँ। आप उन लोगों की रणनीति का आकलन कर सकते हैं जो आपकी दर्शनमें भाग ले रहे हैं, यह देखकर कि यहाँ दल की भावना क्या है, लेकिन आप यह भी देख सकते हैं, "अरे, यहाँ दल वर्क क्या है?" आप दल की गतिशीलता को देख रहे हैं और कैसे वे एक साथ काम कर रहे हैं इसलिए आप भागीदारी को माप रहे हैं।

लोग ही हैं जो दर्शनको वास्तविकता बनाते हैं। अक्सर हम दर्शनको केवल उत्पाद और कार्यक्रमों द्वारा मापते हैं।

हमें लोगों की भागीदारी को मापना होगा। उदाहरण के लिए, क्या आपकी दर्शनऔर लोगों में विविध भूमिकाएँ हैं? यदि आप भागीदारी और दर्शनका आकलन करते हैं और आप देखते हैं कि हर कोई समान दिखता है, समान बात करता है, समान सोचता है, तो यह हमारी दर्शनको धीमा करने वाला है। क्या लोग, क्या लोग पीढ़ीगत हैं? क्या आपके पास अलग-अलग उपहार हैं? कभी-कभी कुछ स्वस्थ संघर्ष भी होता है जो चलता रहता है?

आप जो मूल्यांकन कर रहे हैं वह संबंध का मूल्यांकन है। क्या जनता इस दृष्टिकोण का हिस्सा है? क्या वे वैसे ही लगे हुए हैं जैसे वे हैं? मैं दुनिया भर में यात्रा करता हूँ और सेवकाईको देखता हूँ। और अक्सर अगुवा लोगों के लिए आभारी होता है और व्यक्तिगत रूप से लोगों का आकलन कर सकता है, लेकिन शायद ही कभी वे समग्र रूप से लोगों की भागीदारी का आकलन करते हैं। आपको मेरा प्रोत्साहन यह है कि जब आप उस दर्शनका आकलन करते हैं, जो आपको करना चाहिए, तो आप मूल्यांकन करेंगे, क्या यह स्पष्ट है?

आप आकलन करेंगे कि क्या रणनीतिक पतन ताजा और नया है?

फिर आप लोगों को समग्र रूप से देखते हैं और कहते हैं, लोग इस दर्शनसे कैसे जुड़े हैं और इस दर्शनके मालिक हैं? और क्या हमारे पास इस दर्शनके भविष्य की नींव के रूप में लोग हैं? यहाँ एक चौथा तरीका है जिससे आपको दर्शनका आकलन करने की आवश्यकता है। यह काफी महत्वपूर्ण है। आपको दर्शनकी स्थिरता का आकलन करना होगा।

दर्शनउत्साही होती है। यह ऊर्जा है और आप खड़े होते हैं और आप लोगों को दर्शनप्रदान करते हैं और आप यह कहना पसंद करते हैं, हम उस पहाड़ को लेने जा रहे हैं और हर कोई जयकार करता है और इसके चारों ओर भारी उत्साह है। लेकिन फिर आपको सवाल पूछना होगा, क्या यह टिकाऊ है?

क्या दर्शनस्वस्थ है? दर्शनकी स्थिरता का आकलन करना एक वार्षिक डॉक्टर की जांच के लिए जाने जैसा है। आप सिर्फ अच्छी खबर चाहते हैं। आपको अच्छा लग रहा है।

लेकिन आप चाहते हैं कि एक चिकित्सा पेशेवर यह सुनिश्चित करे कि आप अगले 10 या 20 वर्षों के लिए टिकाऊ तरीके से जीवन जी रहे हैं। जब आप अपनी दृष्टि, स्पष्टता, रणनीति, लोगों को देखते हैं, जो वास्तव में महत्वपूर्ण है, लेकिन स्थिरता, यह वास्तव में महत्वपूर्ण है। तो आप स्वास्थ्य के क्षेत्रों को माप रहे हैं। मैं आपको स्थिरता स्वास्थ्य के कुछ क्षेत्र देना चाहता हूँ जिन्हें आपको देखना होगा। एक आर्थिक है। अधिकांश सेवकाई बंद हो जाते हैं क्योंकि उनके पास व्यवहार्य आर्थिक योजना नहीं होती है।

और मैं यह अपमानजनक रूप से नहीं कहता और हम सभी जानते हैं कि परमेश्वर पर उनके संसाधन के लिए भरोसा करने का क्या मतलब है। लेकिन हमें यह देखना होगा कि हम खुद को आर्थिक रूप से कैसे स्थापित कर रहे हैं और यह कहना होगा कि क्या यह टिकाऊ है? दर्शनमें मौसमों को समझा जाता है और कुछ मौसमों में हमें विश्वास की आवश्यकता होती है और कुछ मौसमों में हमें कुछ ज्ञान की आवश्यकता होती है। लेकिन आप वित्त को देखते हैं और कहते हैं, क्या हम अब से 10 साल बाद यहां हो सकते हैं? जिस तरह से हम अपने वित्त को व्यवस्थित कर रहे हैं और आप उसके स्वास्थ्य को देखते हैं, आप अपने द्वारा स्थापित नेतृत्व मार्ग के स्वास्थ्य को देखते हैं।

क्या यह सेवकाई आपसे आगे भी जारी रहेगी?

क्या यह आप पर बहुत अधिक निर्भर है? और इसका मतलब यह नहीं है कि कल आप सब कुछ बदल देंगे, लेकिन आपके पास यह नेतृत्व मार्ग होना चाहिए जो कहता है कि हम स्वस्थ हैं क्योंकि नेतृत्व की पहचान स्थायी है। वित्तीय स्थिति टिकाऊ है। आपको अपने आस-पास के समुदाय और संस्कृति को देखना और पूर्वानुमान लगाना होगा। हम एक ऐसे युग में रह रहे हैं जहां कानून बदलते हैं, समाज बदलता है, संस्कृति बदलती है। क्या हम इस स्थिति में हैं कि हम यहां 10 वर्षों तक स्थायी रूप से उपस्थित रह सकें ताकि कुछ कानूनों में बदलाव होने पर भी हम उपस्थित रहें। मुझे पता है कि दुनिया के एक क्षेत्र में सेवकाई और सभी सेवकाई दो साल की अवधि में बदल गए और उन्हें बिजनेस वीजा मिल गया क्योंकि बिजनेस वीजा का मतलब था कि वे वहां रह सकेंगे। अगर वे धार्मिक वीजा पर होते, यह जानते हुए कि समाज में चीजें कैसे बदल रही हैं, तो उन सभी को छोड़ना पड़ता।

वे दर्शनकी स्थिरता का आकलन कर रहे थे।

और यह मूल्यांकन गंभीर रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि आप भविष्य का पूर्वानुमान लगा रहे हैं और आप कह रहे हैं कि क्या हम इस तरह से स्वस्थ और मजबूत हैं जो हमें भविष्य में ले जाएगा। आप केवल वर्तमान को माप नहीं सकते। आप परमेश्वर की महिमा कर सकते हैं और वर्तमान में उन्होंने जो कुछ भी किया है, उसके लिए आभारी हो सकते हैं, लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना होगा। और आपके दर्शनमूल्यांकन का हिस्सा स्थिरता के बारे में होना चाहिए। फिर आप उस पर आते हैं, मुझे लगता है, अंतिम क्षेत्र जिसका आपको आकलन करने की आवश्यकता है जब दर्शनकी बात आती है, जो बहुत महत्वपूर्ण है, और वह है दर्शनकी रचनात्मकता, दर्शनका नवाचार। आपको कहना होगा कि क्या इस दर्शनके लिए हमें जोखिम लेने की आवश्यकता है?

और जब आप दर्शनका आकलन करते हैं तो आपको जिन चीजों को देखना होता है, उनमें से एक यह है कि आपको छंटाई के दृष्टिकोण से इसका आकलन करना होता है। जॉन 15 में एक बाइबिल का सिद्धांत है जहाँ यीशु कहते हैं कि आप इस पौधे को देखते हैं, इस फलते-फूलते पौधे को, इसकी छंटाई करें। मृत शाखाओं को हम आग के नीचे फेंक देते हैं, लेकिन जीवित शाखाओं को हम वापस काटते हैं। वास्तव में शास्त्र में यह सिद्धांत है जो दर्शनके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह मृत्यु का सिद्धांत है, और वह यह है कि जब तक कोई बीज जमीन पर नहीं गिरता और मर नहीं जाता, तब तक कोई नया फल नहीं आ सकता।

जब मैं नवाचार और रचनात्मकता के स्थान से आपकी दर्शनका आकलन करने की बात करता हूँ, तो आपको अपनी दर्शनके बारे में एक सवाल पूछना पड़ता है कि मरने की क्या आवश्यकता है? एक समय था जब यह अच्छा और मूल्यवान था, लेकिन अब इसे मरने की जरूरत है।

एक समय था जब यह जरूरत को पूरा करता था लेकिन सीजन बदल गया है और हमें वापस छंटाई करने की जरूरत है। जब हम दर्शनके बारे में सोचते हैं, तो हम हमेशा अधिक के बारे में सोचते हैं। हम विकास के बारे में सोच रहे हैं। हम विस्तार के बारे में सोच रहे हैं और यह सच है। बाइबल जो सिखाती है, कभी-कभी आपको उसकी छंटाई करनी पड़ती है और उसे मजबूत करना पड़ता है।

कुछ चीजों को समाप्त करने की आवश्यकता होती है, भले ही वे फलदायी रही हों ताकि अधिक से अधिक जीवन पनप सके। आपको इस दृष्टिकोण से अपनी दर्शनका आकलन करना होगा, जो बहुत मुश्किल हो सकता है क्योंकि आप कुछ ऐसा ले रहे हैं जो वास्तव में बहुत अच्छा है और कह रहे हैं, "नहीं, हम अब ऐसा नहीं करेंगे।"

अब हम कुछ और करने जा रहे हैं। "

वहाँ एक कलीसियाथा और उन्हें वास्तव में लगा कि वे अपने सभी लोगों को छोटे समूहों में डालने के मौसम में जा रहे हैं। उनके पास एक शानदार रविवार की रात कलीसियासेवा थी, जो उनके द्वारा आयोजित अन्य सभी कलीसियासेवाओं से अलग थी। उन्होंने कहा, "अगर हम इन छोटे समूहों को फलने-फूलने देते हैं जो शाम को मिलेंगे, तो हम रविवार की रात की सेवा को काटने जा रहे हैं।" शुरू में, लोग बहुत परेशान थे, लेकिन इससे छोटे समूहों के बढ़ने और पनपने के लिए जगह और समय बन गया। उन्हें नवान्वेषण रचनात्मक दृष्टिकोण से अपनी दर्शनका मूल्यांकन करना था।

उन्हें सवाल पूछना था, "एक की छंटाई की जरूरत है? किसी को मरने की जरूरत है? जब आप दर्शनमूल्यांकन करते हैं, तो आप इसके इन सभी पहलुओं को देख रहे होते हैं। आप वास्तव में कार्यक्रमों और विकास को नहीं देख रहे हैं। आप इसे अन्य तरीकों से कर सकते हैं, जो शानदार है, लेकिन आप देख रहे हैं, "क्या हमारी दर्शनअभी भी स्पष्ट है? समाज में भाषाएँ बदलती हैं। क्या हमें अपनी कुछ भाषा बदलने की आवश्यकता है ताकि हम उस 25% के लिए स्पष्ट और सच्चे हों जो हमें अलग बनाता है? वहाँ बहुत सारे इंजीलवादी सेवकाई हैं। कौन-सी बात हमें अद्वितीय और विशिष्ट बनाती है?"

क्या रणनीति विकासात्मक है? क्या हम इस तरह की पुस्तक देख रहे हैं जहाँ हम प्रभु पर उनके नेतृत्व में भरोसा कर रहे हैं? आपको भागीदारी के दृष्टिकोण से दृष्टिकोण का आकलन करना होगा।

समग्र रूप से सभी लोग, क्या वे उपहारों की विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं?

क्या हम पीढ़ियों की विविधता देख रहे हैं? क्या हमें कुछ करने की आवश्यकता है ताकि दर्शनमें व्यापक स्पेक्ट्रम की भागीदारी हो जो हम चाहते हैं? हमें दर्शनकी स्थिरता को मापना और मूल्यांकन करना होगा। क्या हम नेतृत्व के मार्ग में, वित्त में, समाज में स्वस्थ हैं, ताकि हम अब से 10 साल बाद यहाँ के आसपास रहें? और आपको उस दृष्टिकोण से दर्शनका आकलन करना होगा कि क्या छंटाई करने की आवश्यकता है, क्या मरने की आवश्यकता है।

और इससे नया जीवन पनपेगा। मुझे पता है कि परमेश्वर ने आपको एक महान दर्शनदी है। और मुझे पता है कि आप उस दर्शनको वास्तविकता में बदलने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। और इसके लिए मैं उनका आभारी हूँ। लेकिन दर्शनपर काम करने में इतना व्यस्त न हों। और केवल दर्शनके उत्पाद का आकलन करने में इतना व्यस्त न रहें कि आप स्वयं दर्शनका आकलन न करें। इन क्षेत्रों पर प्रार्थनापूर्वक विचार करने के लिए अपनी दल के साथ समय निकालें और पवित्र आत्मा को आपका मार्गदर्शन करने दें और आपको स्पष्टता दें क्योंकि आप उनके द्वारा दी गई दर्शनके प्रति वफादार बने रहेंगे।